शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाले युवक को सजा

जयपुर । महिला उत्पीडन मामलों की विशेष अदालत महानगर द्वितीय ने युवती को शादी का झांसा देकर उसके साथ कई बार दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त राहुल को दस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने 21 साल के इस अभियुक्त पर बीस हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी रीतु चौधरी ने अपने आदेश में कहा कि प्रकरण में अभियुक्त की ओर से कई बार पीडिता से दुष्कर्म करने का अपराध साबित हुआ है। ऐसे में उसके साथ नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक मनोज जांगिड ने अदालत को बताया कि पीडिता ने 4 फरवरी, 2020 को सदर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें कहा गया कि वह अपने मामा के आती-जाती थी। इस दौरान अभियुक्त ने उससे बातचीत आरंभ कर दी। अभियुक्त उसे बहला फुसलाकर होटल ले गया और उसके साथ संबंध बनाए। इस दौरान अभियुक्त ने उसके अश्लील वीडियो भी बना लिए। जब पीडिता ने इसका विरोध किया तो अभियुक्त ने उसके साथ शादी करने का आश्वासन दिया। वहीं 9 जुलाई, 2019 को अभियुक्त उसे अंबाला और चंडीगढ़ ले गया। जहां उसने कई बार उससे संबंध बनाए। इस दौरान उसे पता चला कि अभियुक्त पहले से ही विवाहित है। इसके बाद भी अभियुक्त ने पहली पत्नी को जल्दी तलाक देने का भरोसा देकर उसके साथ कई बार संबंध बनाए। आखिर में तंग आकर उसने रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफतार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया।

बंधक बनाकर 5 लाख नकद और लाखों रु. के जेवर लूटने वाली नेपाली गैंग का पर्दाफाश

जवाहर सर्किल पुलिस ने 3 आरोपियों को उत्तरप्रदेश-नेपाल की सीमा के पास से दबोचा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने श्री विहार कॉलोनी दुर्गापुरा में व्यापारी के बेटे को बंधक बनाकर 5 लाख रुपए नकद और लाखों रुपए के जेवरात लूटने की वारदात का खुलासा किया है। पुलिस ने वारदात में शामिल कुख्यात नेपाली गैंग के सदस्यों की मदद करने, रेकी करने और उन्हें शरण देने वाले तीन आरोपियों को उत्तर प्रदेश-नेपाल सीमा पर बहराइच से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल कार भी जब्त की है। पुलिस टीम ने आरोपियों तक पहुंचने के लिए दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मुरादाबाद, बहराइच, गौरीफंटा और बेंगलुरु तक करीब 10 हजार किलोमीटर का सफर तय किया। इस दौरान करीब 300 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि 29 जुलाई 2026 को श्री विहार कॉलोनी निवासी आशीष गुप्ता पुत्र रामकिशोर गुप्ता ने जवाहर सर्किल थाने में मामला दर्ज कराया था। घटना के समय आशीष गुप्ता अपनी पत्नी के साथ उत्तराखंड घूमने गए हुए थे। इसी दौरान 29 जुलाई की सुबह करीब 4 बजे तीन बदमाश घर में घुसे और उनके बेटे राघव गुप्ता को बंधक बना लिया।

बदमाश घर से 5 लाख रुपए नकद, कार्टियर कंपनी की दो महंगी घड़ियां, सोने-हीरे की 12 अंगूठियां, 8 ब्रेसलेट, 6 पेंडेंट, सोने की दो गिन्नियां और 10 से 15 चांदी के सिक्के लूटकर फरार हो गए। वारदात के समय बदमाशों ने पैंट-शर्ट, पायजामा और खेल के जूते पहन रखे थे। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। वहीं इस वारदात की गंभीरता को देखते हुए जवाहर सर्किल थानाधिकारी महेश चंद्र गुर्जर के नेतृत्व में चार विशेष टीमों का गठन किया गया। पहली टीम में उप निरीक्षक गोपाल लाल, कांस्टेबल लोकेंद्र सिंह और कांस्टेबल अनिल कुमार शामिल रहे। दूसरी टीम में उप निरीक्षक श्याम प्रकाश, कांस्टेबल पप्पू लाल चेची और कांस्टेबल आशीष कटारा रहे। तीसरी टीम में हेड कांस्टेबल हरदयाल, कांस्टेबल शैलेंद्र और कांस्टेबल निरंजन ने विशेष भूमिका निभाई। चौथी टीम में पुलिस उपायुक्त कार्यालय के हेड कांस्टेबल संजय राहड़ और हेड कांस्टेबल गौरव शामिल रहे। पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें सतवीर सिंह (28) पुत्र निर्मल सिंह, निवासी ग्राम टेंडवा, बसंतापुर, थाना देहात कोतवाली, बहराइच; मनबहादुर (20) पुत्र शोभाराम, निवासी निबिया, तहसील नानपारा, थाना रुपईडीहा, बहराइच तथा प्रदीप कुमार यादव (24) पुत्र बिहारी लाल, निवासी ग्राम तिगड़ा, थाना रुपईडीहा, बहराइच शामिल हैं। पुलिस की जांच में सामने आया कि गैंग वारदात से करीब 15 से 20 दिन पहले लक्षित मकान या उसके आसपास के इलाके में घरेलू काम की तलाश के बहाने पहुंचता है। इसके बाद मकान और परिवार की गतिविधियों की पूरी जानकारी जुटाई जाती है।

गैंग के सदस्य उत्तर प्रदेश-नेपाल सीमा क्षेत्र में स्थानीय लोगों से संपर्क कर उन्हें लालच देकर अपने साथ जोड़ते हैं। आसपास के घरों में काम तलाश कर वहां के घरेलू नौकरों और चौकीदारों से दोस्ती की जाती है और उनके जरिए मकान, परिवार तथा सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ी गोपनीय जानकारी जुटाई जाती है। मकान सूना मिलने पर गैंग के अन्य सदस्यों को बुलाकर वारदात को अंजाम दिया जाता है। आरोपी ठहरने के लिए फर्जी पहचान पत्रों का इस्तेमाल करते हैं और वारदात के तुरंत बाद अलग-अलग रास्तों तथा परिवहन साधनों से फरार हो जाते हैं। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है। पुलिस का कहना है कि पूछताछ के आधार पर गैंग के अन्य मुख्य सदस्यों की गिरफ्तारी तथा लूटे गए नकद, जेवरात और अन्य सामान की बरामदगी के प्रयास जारी हैं।

जवाहर सर्किल पुलिस ने जयपुर के दुर्गापुरा में व्यापारी के बेटे को बंधक बनाकर 5 लाख रुपए नकद और लाखों रुपए के जेवरात लूटने वाली नेपाली गैंग को गिरफ्तार किया।

- पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल कार भी जब्त की है
- इस वारदात के खुलासे और बदमाशों की धरपकड़ के लिए पुलिस ने 10 हजार कि.मी. का सफर करके 300 सीसीटीवी कैमरे खंगाले

देश के 7 हाई-डेंसिटी रेल रूट्स को 4 लेन करने में जुटी केन्द्र सरकार

नई दिल्ली । रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि देश के 7 हाई-डेंसिटी रेल रूट्स को फोर-लेन करने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। करीब 11 हजार किलोमीटर में फैले ये 7 हाई-डेंसिटी रेल रूट्स देश के कुल रेल यातायात का लगभग 41 प्रतिशत संभालते हैं, जबकि पूरे रेल नेटवर्क में इनकी हिस्सेदारी करीब 16 प्रतिशत है।

इन प्रमुख हाई-डेंसिटी रेल रूट्स में दिल्ली-हावड़ा, हावड़ा-चेन्नई, चेन्नई-मुंबई, मुंबई-दिल्ली, दिल्ली-चेन्नई, मुंबई-हावड़ा और दिल्ली-गुवाहाटी शामिल हैं।

अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इन महत्वपूर्ण रेल मार्गों को फोर-लेन करने से व्यस्त रूट्स पर अतिरिक्त क्षमता विकसित होगी। इससे बढ़ते यात्री एवं माल परिवहन को बेहतर तरीके से संभालने में मदद मिलेगी और रेल नेटवर्क अधिक सक्षम एवं सुगम बनेगा। उन्होंने कहा कि इस विस्तार से परिवहन क्षमता बढ़ने के साथ परिवहन लागत कम करने में भी मदद मिलेगी। साथ ही अधिक कुशल, तेज और पर्यावरण अनुकूल रेल परिवहन को बढ़ावा मिलेगा। हाई-डेंसिटी रूट्स की क्षमता बढ़ने से देश के प्रमुख औद्योगिक एवं वाणिज्यिक क्षेत्रों के बीच रेल संपर्क भी और मजबूत होगा।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव।

रामलाल शर्मा ने किया डोटासरा पर पलटवार

जयपुर। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता रामलाल शर्मा ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर दिए बयान पर पलटवार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में सरकार बचाने और चलाने के लिए प्रशासनिक तंत्र का दुरुपयोग किया तथा अब उसी अनुभव के आधार पर भाजपा पर मनगढ़ंत और बेबुनियाद आरोप लगाए जा रहे हैं। रामलाल शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार लोकतांत्रिक व्यवस्था, पारदर्शिता और कानून के अनुसार काम कर रही है। सरकार जनसेवा को प्राथमिकता देते हुए कांग्रेस शासन की तुलना में अधिक पट्टे जारी कर चुकी है तथा जनकल्याणकारी शिविरों के माध्यम से आमजन को राहत पहुंचाई गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता सरकार के कार्यों से संतुष्ट है और आगामी स्थानीय निकाय एवं पंचायत चुनावों में भाजपा के पक्ष में मतदान कर कमल खिलाने का काम करेगी।

6000 रुपए की रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बुधवार को प्रतापगढ़ जिले में कार्रवाई करते हुए पटवारी मदन लाल को 6 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। आरोपी पटवार हल्का केलामला में पदस्थापित है और ग्राम पंचायत रोहणिया, तहसील पीपलखूंट का अतिरिक्त चार्ज भी संभाल रहा था।

एसीबी महानिदेशक पुलिस गोविन्द गुप्ता के अनुसार प्रतापगढ़ एसीबी चौकी पर परिवादी ने शिकायत दी थी कि पटवारी मदन लाल उसके गांव के लोगों, परिवादी और उसके परिवार के सदस्यों से पट्टे ऑनलाइन करने और मौका देखने की एवज में प्रति पट्टा 2 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहा है। परिवादी के परिवार के तीन पट्टे होने के कारण आरोपी ने कुल 6 हजार रुपए की मांग की थी। शिकायत के बाद एसीबी ने रिश्वत की मांग का सत्यापन कराया। इसमें आरोपी पटवारी द्वारा तीनों पट्टों को ऑनलाइन करने और मौका देखने के लिए प्रति पट्टा 2 हजार रुपए के हिसाब से कुल 6 हजार रुपए की रिश्वत मांगना प्रमाणित हुआ। इसके बाद एसीबी ने ट्रैप कार्रवाई की योजना बनाई। एसीबी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ विक्रम सिंह के नेतृत्व में टीम ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए टीम ने आरोपी मदन लाल को परिवादी से 6 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। ट्रैप कार्रवाई के बाद एसीबी टीम ने आरोपी की तलाशी ली। उसके पास से 25,068 रुपए मिले। एसीबी के अनुसार आरोपी इस राशि के संबंध में संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। रकम के स्त्रोत और अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

आरोपी पटवारी मदन लाल।

- पट्टे ऑनलाइन करने के नाम पर मांगी थी घूस

निकाय चुनाव में लोगों का भाजपा के प्रति उत्साह : बगड़ी

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी की संभागवार बैठकें 27, 28 और 29 अगस्त को जयपुर में आयोजित होंगी। प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने बताया कि आगामी निकाय चुनावों की तैयारियों और रणनीति पर चर्चा के लिए सात संभागों की बैठकें होंगी। उन्होंने बताया कि 27 अगस्त को अजमेर, उदयपुर और बीकानेर संभाग, 28 अगस्त को भरतपुर और कोटा तथा 29 अगस्त को जोधपुर और जयपुर संभाग की बैठकें होंगी। इनमें संभाग प्रभारी, सह प्रभारी, निगम चुनाव प्रभारी, निकाय चुनाव संचालन समिति, जिला अध्यक्ष, संगठन प्रभारी, सांसद, 2024 के लोकसभा प्रत्याशी, विधायक और 2023 के विधानसभा प्रत्याशी शामिल होंगे।

रक्षाबंधन पर सजे जयपुर के बाजार, 500 से अधिक तरह की राखियों की धूम

4 साल बाद भद्रा का व्यवधान नहीं, 28 अगस्त को मनेगा रक्षाबंधन

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। भाई-बहन के प्रेम, स्नेह और विश्वास का पर्व रक्षाबंधन इस बार 28 अगस्त शुक्रवार को मनाया जाएगा। सावन पूर्णिमा की तिथि दो दिन होने के कारण पर्व की तारीख को लेकर असमंजस रहा, लेकिन पंचांग गणना के अनुसार 28 अगस्त को रक्षाबंधन मनाया जाएगा। खास बात यह है कि इस बार राखी बांधने के समय भद्रा का व्यवधान नहीं रहेगा।

रक्षाबंधन को लेकर जयपुर के जौहरी बाजार, बापू बाजार, त्रिपोलिया बाजार, नाहरगढ़ रोड, कटला, राजा पार्क, वैशाली नगर, मानसरोवर और टोंक रोड सहित प्रमुख बाजारों में रौनक बढ़ गई है। दुकानों पर 500 से अधिक तरह की राखियां बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। जयपुर के अलावा कोलकाता, मुंबई और गुजरात से भी डिजाइनर एवं रंग-बिरंगी राखियां मंगाई गई हैं।

दुकानदार नरेश अग्रवाल ने बताया कि बच्चों के लिए मोटू-पतलू, सुपरहीरो, कार्टून पात्र, जानवरों, गाड़ियों, लॉलीपॉप और कैंडी डिजाइन की राखियां पसंद की जा रही हैं। कई राखियों में खिलौने, रोशनी और चॉकलेट भी शामिल हैं। युवाओं में कंगननुमा और आधुनिक डिजाइन की राखियों के साथ नाम, फोटो और संदेश वाली व्यक्तिगत राखियों की मांग है। क्यूआर कोड और एनएफसी तकनीक वाली डिजिटल राखियां भी आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं।

सुहागिन महिलाओं एवं भाभियों के लिए चूड़ा राखियों और लुंबा के नए डिजाइन भी बाजार में आए हैं। कुंदन, मोती, पत्थर जडाई, शीशा जडाई, लटकन और जरी वाली राखियां पसंद की जा रही हैं। चांदी, क्रिस्टल और अन्य महंगी सामग्री से बनी राखियों के अलावा हनुमान चालीसा, नजर रक्षा और धार्मिक प्रतीकों वाली राखियों की भी मांग है।

राखियों के साथ मिठाई, कपड़े, उपहार और सूखे मेवों की दुकानों पर भी खरीदारी बढ़ गई है। दूर रहने वाले भाई-बहनों के लिए ऑनलाइन राखी एवं उपहार भेजने का चलन भी बढ़ रहा है।

महिलाओं को रोडवेज में निःशुल्क यात्रा : रक्षाबंधन पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महिलाओं और बालिकाओं को राजस्थान रोडवेज की साधारण एवं एक्सप्रेस बसों में राजस्थान की सीमा के भीतर दो दिन निःशुल्क यात्रा की सुविधा दी है। यह सुविधा 27 अगस्त की मध्यरात्रि से 30 अगस्त की मध्यरात्रि तक लागू रहेगी। वातानुकूलित, वॉल्वो एवं अखिल भारतीय अनुज्ञा पत्र वाली बसों में यह सुविधा लागू नहीं होगी। राजस्थान से बाहर की यात्रा के लिए निर्धारित किराया देना होगा।

चार साल बाद भद्रा से राहत : पिछले वर्षों में भद्रा के कारण रक्षाबंधन पर राखी बांधने के समय को लेकर असमंजस रहा। 2022, 2023, 2024 और 2025 में अलग-अलग समय पर भद्रा का प्रभाव रहा। इस बार चार साल बाद रक्षाबंधन भद्रा के व्यवधान से मुक्त रहेगा। ऐसे में बाजारों की रौनक के बीच 28 अगस्त को बहनें शुभ समय में भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर प्रेम और स्नेह का पर्व मनाएंगी।

रक्षाबंधन के त्यौहार के लिए बाजारों में राखियां खरीदती महिलाएं।

- बाजार में कार्टून कैरेक्टर्स से लेकर डिजिटल राखियों तक आकर्षण

पिता की मौत के समय था ढाई साल का, अब मिलेगी अनुकंपा नियुक्ति

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट के सेन्ट्रल इलेक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट, पिलानी को आदेश दिए हैं कि कर्मचारी की 21 साल पहले मौत होने पर अब उसके बेटे को उचित पद पर तत्काल अनुकंपा नियुक्ति दे। एक्टिंग सीजे एसपी शर्मा और जस्टिस चन्द्रशेखर शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश उमेश सिंह की अपील पर दिए।

अदालत ने कहा कि तकनीकी कारणों को अनुकंपा नियुक्ति से इनकार करने का आधार नहीं बनाया जा सकता। ऐसा करने से इस तरह की योजना का मूल उद्देश्य ही खत्म हो जाएगा, विशेष रूप से जब परिवार की अत्यधिक गरीबी साफ दिखाई दे रही हो। यह स्पष्ट है कि अपीलार्थी ने नौकरी के लिए योग्य होते ही तुरंत अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन कर दिया था। परिवार में अन्य योग्य सदस्यों की मौजूदगी को अयोग्यता का आधार नहीं माना जा सकता। यह भी पूरी तरह स्पष्ट है कि अपीलार्थी के परिवार का आर्थिक संकट अभी तक समाप्त नहीं हुआ है। अपील में अधिवक्ता अधिवक्ता रोहित चौधरी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता के पिता संस्थान में तकनीशियन के पद पर थे। नौकरी में रहने के दौरान 3 मार्च, 2005 को उनकी मौत हो गई। उस समय अपीलार्थी ढाई साल का बच्चा था। ऐसे में पूरे परिवार की जिम्मेदारी उसे दादा-दादी पर आ गई। वहीं बाद में दादा का भी निधन हो गया। अपीलार्थी के बालिग होने पर उसने तुरंत 27 जुलाई, 2020 को अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया, लेकिन संस्थान ने उसका आवेदन देरी के आधार पर खारिज कर दिया। अपील में कहा गया कि संस्थान के अधिकारियों ने मौखिक रूप से आश्वासन दिया था कि बालिग होने पर उसे नौकरी देने पर विचार किया जाएगा। परिवार में पांच बहनों में से दो का विवाह हो चुका है और एक बहन दिव्यांग हैं। बहनों ने अपीलार्थी के लिए स्वयं नौकरी लेने से मना कर दिया था। ऐसे में उसे अनुकंपा नियुक्ति दिलाई जाए। जिसका विरोध करते हुए संस्थान के वकील ने कहा कि पन्द्रह साल बीतने के बाद अनुकंपा नौकरी पर विचार नहीं किया जा सकता। परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक है और उन्हें पेंशन व ग्रेच्युटी भी मिली है। कर्मचारी की मौत के समय तीन बहने नौकरी के लिए योग्य थी, लेकिन उन्होंने आवेदन नहीं किया दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने अपीलार्थी को अनुकंपा नियुक्ति देने के आदेश दिए हैं।

निकाय चुनाव से अवैध नकदी-शराब और हथियारों की पुलिस की नजर

संवेदनशील और क्रिटिकल मतदान केंद्रों पर तैनात होगा अतिरिक्त जाब्ता

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान में नगरीय निकाय चुनाव को लेकर पुलिस ने भी कमर कस ली है। चुनाव में धनबल और बाहुबल के इस्तेमाल को रोकने के लिए पुलिस की संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर है। संदिग्ध नकदी के परिवहन के साथ शराब, मादक पदार्थ और अवैध हथियारों की तस्करी रोकने के लिए विशेष नाकाबंदी और धरपकड़ अभियान चलाया जा रहा है। संवेदनशील और क्रिटिकल मतदान केंद्रों पर अतिरिक्त पुलिस जाब्ता तैनात किया जाएगा।

पुलिस ने पिछली बार निकाय चुनाव के दौरान जिन मतदान केंद्रों पर विवाद या चुनावी घटनाक्रम हुआ था। उन्हें विशेष निगरानी के दायरे में लिया है। ऐसे मतदान केंद्रों की जानकारी सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों से मांगी गई है। पिछली बार चुनाव के दौरान दर्ज आपराधिक मुकदमों की वर्तमान स्थिति की भी समीक्षा की जा रही है।

जयपुर रेंज आईजी राहुल प्रकाश ने बताया कि निकाय चुनाव को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग और पुलिस मुख्यालय से विस्तृत निर्देश मिले हैं। रेंज के सभी जिलों में क्षेत्र वर्चस्व अभियान चलाया जा रहा है। आर्म्स एक्ट, आबकारी अधिनियम और एनडीपीएस अधिनियम के तहत कार्रवाई तेज कर दी गई है। वारंटियों की धरपकड़ भी की जा रही है।

उन्होंने बताया कि क्रिटिकल मतदान केंद्रों को चिह्नित करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। पिछले चुनाव में जिन मतदान केंद्रों पर विवाद हुआ था या चुनाव से संबंधित मुकदमे दर्ज हुए थे, उनकी जानकारी जुटाई जा रही है। इन मामलों में वर्तमान में क्या स्थिति है, इसकी भी जांच की जा रही है।

चुनाव के दौरान उपद्रव की आशंका वाले असामाजिक तत्वों को पाबंद किया जा रहा है और सूची में नए नाम भी जोड़े जा रहे हैं। रेंज के जयपुर ग्रामीण, अलवर, दौसा, भिवाड़ी, कोटपूतली-बहरोड़, सीकर, खैरथल-तिजारा और झुंझुनूं के पुलिस अधीक्षकों को जयपुर बुलाया गया है। बैठक में निकाय चुनाव की तैयारियों और कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की जाएगी।

आईजी ने बताया कि जिन स्थानों पर निकाय चुनाव के साथ धार्मिक आयोजन या मेले भी प्रस्तावित हैं, वहां अतिरिक्त पुलिस जाब्ता तैनात करने को लेकर भी मंथन किया जा रहा है। उद्देश्य यह है कि चुनाव और अन्य आयोजनों के दौरान कानून-व्यवस्था की स्थिति बनी रहे। इधर जयपुर दक्षिण के डीसीपी राजर्षि राज ने बताया कि शहर में नियमित नाकाबंदी की जा रही है और असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई जारी है। उपद्रव फैलाने वाले लोगों को पाबंद कराया जा रहा है। लाइसेंसी हथियारों को थानों में जमा कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अवैध हथियार रखने और उनकी खरीद-फरोख्त करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है। गैर-जमानती वारंटों का प्राथमिकता से निस्तारण किया जा रहा है। संवेदनशील और क्रिटिकल क्षेत्रों को चिह्नित कर विशेष निगरानी रखी जा रही है। नगरीय निकाय चुनाव से पहले राजस्थान पुलिस ने अपराधियों और संदिग्ध गतिविधियों के खिलाफ प्रदेशभर में एक साथ अभियान शुरू किया है। डीजीपी राजीव कुमार शर्मा के निर्देशन में विशेष नाकाबंदी कर संदिग्ध वाहनों और लोगों की जांच की जा रही है। डीजीपी ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण और निष्पक्ष वातावरण में संपन्न हो तथा आमजन में सुरक्षा का विश्वास और मजबूत हो, इसी उद्देश्य से लगातार कार्रवाई की जा रही है। अपराध और कानून-व्यवस्था के मामले में राजस्थान पुलिस की शून्य सहनशीलता की नीति आगे भी जारी रहेगी। एडीजी कानून एवं व्यवस्था वीके सिंह ने बताया कि नाकाबंदी के दौरान वाहनों के चालक के ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन दस्तावेज और नंबर प्लेट की जांच की जा रही है। संदिग्ध लोगों की पहचान की तस्दीक भी कराई जा रही है।

पुलिस का फोकस केवल यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों तक सीमित नहीं है, बल्कि चोरी के वाहन, अवैध हथियार, मादक पदार्थ और अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों पर विशेष नजर रखी जा रही है। चुनाव को प्रभावित करने के लिए अवैध रूप से नकदी और शराब ले जाने वालों की भी जांच की जा रही है। पुलिस का उद्देश्य चुनाव के दौरान किसी भी तरह के धनबल, बाहुबल या अवैध गतिविधि को प्रभावी ढंग से रोकना है।

- पुराने चुनावी विवादों के मुकदमों की भी होगी समीक्षा

अरावली कमेटी की रिपोर्ट की समय सीमा बढ़े : जूली

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने अरावली पर्वतमाला के संरक्षण और सर्वेक्षण के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित हाई पावर्ड कमेटी को पत्र भेजकर उसके राजस्थान दौरे की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने मांग की कि कमेटी की रिपोर्ट जमा करने की 31 अगस्त की समय सीमा बढ़ाई जाए और राजस्थान समेत दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश व गुजरात के सभी 64 अरावली जिलों तथा मथुरा के प्रभावित क्षेत्रों के स्थानीय निवासियों से सार्थक संवाद के बाद ही कोई अंतिम फैसला लिया जाए।

जूली ने कहा कि राजस्थान के करीब 88 प्रतिशत हिस्से में अरावली का विस्तार होने के बावजूद कमेटी ने कई महत्वपूर्ण जिलों का दौरा नहीं किया। उन्होंने चित्तौड़गढ़, सवाई माधोपुर, भरतपुर, डीग, बूंदी, बारां, झालावाड़, कोटा, करौली और धौलपुर जैसे क्षेत्रों को रिपोर्ट में पर्याप्त रूप से शामिल नहीं किए जाने पर सवाल उठाया। उन्होंने कमेटी से प्रत्येक अरावली जिले में जाकर वास्तविक और धरातलीय परिस्थितियों का आकलन करने की मांग की। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि जनसुनवाई की जानकारी व्यापक स्तर पर सार्वजनिक नहीं की गई और प्रतिनिधियों को अपनी बात रखने के लिए केवल दो मिनट का समय दिया गया। उन्होंने कहा कि खनन और स्टोन क्रशिंग से प्रभावित ग्रामीणों एवं आदिवासियों की समस्याओं को समझे बिना अरावली संरक्षण की रिपोर्ट अधूरी रहेगी।

गोविंददेवजी मंदिर में भगदड़ की मॉक ड्रिल

जयपुर। जयपुर के आराध्य देव गोविंद देवजी मंदिर परिसर में अचानक भगदड़ की सूचना से अफरा-तफरी मच गई। पुलिस, एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंच गए। करीब 45 मिनट तक विभिन्न विभागों की टीमें मंदिर परिसर में मोर्चा संभाले रहीं। बाद में श्रद्धालुओं को पता चला कि यह पूरी कार्रवाई मॉकड्रिल थी। हालांकि, मॉकड्रिल के दौरान मंदिर की आपातकालीन व्यवस्थाओं में कई खामियां सामने आईं।

मॉकड्रिल की शुरुआत राजभोग की झांकी के दौरान टेंट गिरने और श्रद्धालुओं के घायल होने की स्थिति बनाकर की गई। सूचना मिलते ही संबंधित विभागों को अलर्ट किया गया और उनके रिस्पॉन्स टाइम की जांच की गई। पुलिस, चिकित्सा, नागरिक सुरक्षा और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत-बचाव कार्य शुरू किया।

मॉकड्रिल के दौरान फायर फाइटिंग सिस्टम की तैयारियों की भी जांच की गई। हाइड्रेंट के वॉल्व खोलने पर पानी का पर्याप्त प्रेशर नहीं बन पाया। जांच में पंप हाउस भी बंद मिला। ऐसे में यदि वास्तव में आग लगने जैसी आपात स्थिति होती तो शुरुआती स्तर पर अग्निशमन व्यवस्था को लेकर परेशानी खड़ी हो सकती थी।

आपात स्थिति में श्रद्धालुओं को अलर्ट करने के लिए लगाए गए सायरन और अनाउंसमेंट सिस्टम की भी स्थिति संतोषजनक नहीं मिली। चार हूटर में से केवल तीन ही चालू पाए गए, जबकि अनाउंसमेंट सिस्टम भी काम नहीं कर रहा था। ऐसे में भगदड़ या अन्य आपात स्थिति में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं तक तत्काल सूचना पहुंचाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

मॉकड्रिल के दौरान पुलिस, चिकित्सा, नागरिक सुरक्षा और फायर ब्रिगेड के बीच समन्वय की भी जांच की गई। इस दौरान विभिन्न विभागों के बीच आपसी तालमेल में कमी सामने आई। मॉकड्रिल का उद्देश्य ऐसे ही बिंदुओं को चिन्हित कर वास्तविक आपदा की स्थिति में व्यवस्था को बेहतर बनाना था।

थाना अधिकारी राकेश ख्यालिया ने बताया कि कलेक्टर के निर्देश पर मॉकड्रिल आयोजित की गई। इसका उद्देश्य मंदिर में भगदड़ जैसी आपात स्थिति उत्पन्न होने पर पुलिस, बचाव दल और अन्य संबंधित विभागों की तैयारियों को परखना था। सभी टीमों के मौके पर पहुंचने और राहत कार्य शुरू करने के समय को भी नोट किया गया।

एडीएम साउथ युगांतर शर्मा ने बताया कि मॉकड्रिल में सामने आई कमियों को देखते हुए मंदिर प्रबंधन को आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। मंदिर प्रबंधन की ओर से प्रस्तुत नक्शे और मॉकड्रिल के निष्कर्षों पर पुलिस के साथ चर्चा की जाएगी। इसके बाद मंदिर के लिए आपदा प्रबंधन और आपातकालीन निकासी का अंतिम प्लान तैयार किया जाएगा।

गोविंददेवजी मंदिर में राजभोग की झांकी के दौरान टैंट गिरने और श्रद्धालुओं के घायल होने की स्थिति में राहत की मॉकड्रिल की गई।